Saraswati Vandana सरस्वती वंदना

Saraswati Vandana Lyrics in Sanskrit / संस्कृत:

या कुंदेंदु तुषारहार धवला, या शुभ्र वस्त्रावृता।

या वीणावर दण्डमंडितकरा, या श्वेतपद्मासना॥

या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।

सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेष जाड्यापहा॥

शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमां आद्यां जगद्व्यापिनीं

वीणा पुस्तक धारिणीं अभयदां जाड्यान्धाकारापहां।

हस्ते स्फाटिक मालीकां विदधतीं पद्मासने संस्थितां

वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धि प्रदां शारदां॥

Saraswati Vandana Lyrics in Hindi / हिंदी अनुवाद:

जो कुंद फूल, चंद्रमा और वर्फ के हार के समान श्वेत हैं, जो शुभ्र वस्त्र धारण करती हैं।

जिनके हाथ, श्रेष्ठ वीणा से सुशोभित हैं, जो श्वेत कमल पर आसन ग्रहण करती हैं॥

ब्रह्मा, विष्णु और महेश आदिदेव, जिनकी सदैव स्तुति करते हैं।

हे माँ भगवती सरस्वती, आप मेरी सारी (मानसिक) जड़ता को हरें॥